कोड नं. **4/2**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि मानवीय गुणों का अधिकाधिक विकास विपरीत परिस्थितियों में ही होता है । जीवन में सर्वत्र इस सत्य के उदाहरण भरे हुए हैं । कष्ट और पीड़ा आंतरिक वृत्तियों के परिशोधन के साथ ही एक ऐसी आंतरिक दृढ़ता को जन्म देते हैं जो मनुष्य को तप्त स्वर्ण की भाँति खरा बनाता है । विपत्तियों के पहाड़ से टकराकर उसका बल बढ़ता है । हृदय में ऐसी अद्भुत वृत्ति का जन्म होता है कि एक बार कष्टों से जूझकर फिर वह उनको खेल समझने लगता है । उसके हृदय में विपत्तियों को ठोकर मारकर अपना मार्ग बना लेने की वीरता उत्पन्न हो जाती है । मन की भाँति ही शरीर की दृढ़ता शारीरिक श्रम के द्वारा आती है । शारीरिक परिश्रम उसके शरीर को बलिष्ठ बनाता है । विपत्तियों में तप कर दृढ़ हुए शरीर की भाँति परिश्रम की अग्नि में तप कर शरीर का लौह इस्पात बन जाता है । जब एक शायर ने कहा कि 'मुश्किलें इतनी पड़ीं मुझ पर कि आसाँ हो गईं', तो वह इस सत्य से परिचित था । चारित्रिक दृढ़ता के लिए जो कार्य कष्टों का आधिक्य करता है, शारीरिक दृढ़ता के लिए वही कार्य श्रम करता है । दोनों ही ऐसे हथौड़े हैं जो पीट-पीट कर शरीर और मन में इस्पाती दृढ़ता को जन्म देते हैं ।

(i) विपरीत परिस्थितियाँ कारण हैं
- (क) अनुकूल परिस्थितियों को रोकने की
- (ख) समस्या-समाधान की
- (ग) सामाजिक चुनौतियाँ स्वीकारने की
- (घ) मानवीय गुणों के विकास की

(ii) मनुष्य को सोने जैसा शुद्ध बनाने में सहायक है
- (क) शरीर की दृढ़ता
- (ख) मन की दृढ़ता
- (ग) आंतरिक वृत्ति
- (घ) विपत्तियों से टकराव

(iii) विपत्तियों के बीच अपना मार्ग बना लेने की क्षमता कब उत्पन्न होती है ?

(क) बाधाओं से बचकर

(ख) कष्टों से खेलकर

(ग) कष्टों से जूझकर

(घ) साधन-संपन्न बनकर

(iv) 'लोहा इस्पात बन जाता है' – कथन का आशय है

(क) दुर्बल सबल बन जाता है

(ख) बलहीन बलवान बन जाता है

(ग) सबल अतिसबल बन जाता है

(घ) निर्बल प्रबल बन जाता है

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(क) मन और शरीर

(ख) मानसिक पीड़ा और शारीरिक कष्ट

(ग) मन और शरीर की दृढ़ता

(घ) मानव का विकास

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

नारी केवल कामिनी नहीं, जगद्धात्री भी है, अलंकरण-मात्र ही नहीं, समाज को जीवंत बनाने वाली प्रेरणाशक्ति भी है । आज जनमानस इस दृष्टिकोण से वंचित है । नारी इतनी शक्तिहीन नहीं है । माता बनकर उसकी शक्ति परोक्षरूप में अपने बालकों के चरित्र-निर्माण में कार्य करती है । प्रियारूप में वह समस्त दया, करुणा, ममता और माधुर्य का उपहार देकर पुरुष को उसके कार्यक्षेत्र के लिए नई ऊर्जा प्रदान करती है । विद्या-बुद्धि में गार्गी तथा अपाला बनकर और शौर्य में लक्ष्मीबाई एवं चाँदबीबी बनकर उसने अपने तेजस्वी रूप का परिचय समय-समय पर दिया है । स्वदेश में ही नहीं, विदेश में भी ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं । जोन ऑफ़ आर्क ने एक साथ आत्मिक बल और शारीरिक बल के समन्वय से ऐसी ज्योति जलाई जो युगों-युगों तक उनका नाम अमर रखेगी । इतिहास के पन्ने इस बात के साक्षी हैं कि नारी ने केवल चौका-चूल्हा ही नहीं सम्हाला, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर घोड़े की पीठ पर चढ़कर

रणक्षेत्र में भी वीरता का परिचय दिया । अपनी मर्यादा की रक्षा के लिए आततायी को धूल चटा दी ।

(i) माता के रूप में नारी का महत्त्वपूर्ण कार्य है

(क) पालन-पोषण करना

(ख) परिवार सम्हालना

(ग) दया-ममता बिखेरना

(घ) चरित्र-निर्माण करना

(ii) नारी किस रूप में पुरुष को नई ऊर्जा प्रदान करती है ?

(क) माता के रूप में

(ख) जगद्धात्री के रूप में

(ग) प्रिया के रूप में

(घ) दासी के रूप में

(iii) विद्या-बुद्धि में किन नारियों ने तेजस्वी रूप दिखाया है ?

(क) लक्ष्मीबाई एवं चाँदबीबी

(ख) सीता और सावित्री

(ग) द्रौपदी और गांधारी

(घ) गार्गी तथा अपाला

(iv) नारियों ने आततायी को धूल क्यों चटाई ?

(क) अपनी रक्षा के लिए

(ख) देश की रक्षा के लिए

(ग) मर्यादा की रक्षा के लिए

(घ) पति की रक्षा के लिए

(v) 'परोक्ष' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है

(क) समक्ष

(ख) विपक्ष

(ग) प्रत्यक्ष

(घ) अप्रत्यक्ष

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

पहले से कुछ लिखा भाग्य में
मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है ।

प्रकृति नहीं डर कर झुकती है
कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्यम से, श्रमजल से ।

ब्रह्मा का अभिलेख –
पढ़ा करते निरुद्यमी प्राणी
धोते वीर कु-अंक भाल का
बहा भ्रुवों से पानी ।

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का,
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का ।

पूछो किसी भाग्यवादी से,
यदि विधि-अंक प्रबल है,
पद पर क्यों देती न स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है ?

(i) मनुष्य को सुख प्राप्त होता है

(क) भाग्य के बल से

(ख) भुजाओं के बल से

(ग) विद्या-बल से

(घ) धन के बल से

(ii) कैसे लोग भाग्यवादी होते हैं ?

(क) कायर

(ख) परिश्रमी

(ग) निरुद्यमी

(घ) आलसी

(iii) मनुष्य प्रकृति को हरा सकता है

(क) उद्यम और परिश्रम से

(ख) आतंक और भय से

(ग) उग्रता और शोषण से

(घ) भाग्य और पौरुष से

(iv) भाग्यवाद-रूपी हथियार से शोषक

(क) लोगों को भ्रमित करते हैं

(ख) दूसरों का हिस्सा दबाकर रखते हैं

(ग) क्रान्ति नहीं होने देते

(घ) अत्याचार करते हैं

(v) काव्यांश का मूल संदेश है

(क) भाग्यवादियों को डराना

(ख) उद्यम और परिश्रम का महत्त्व बताना

(ग) वसुधा के रत्नों के बारे में बताना

(घ) वीरों के लक्षण बताना

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

विघ्नों का दल चढ़ आए तो, उन्हें देख भयभीत न होंगे,
अब न रहेंगे दलित दीन हम, कहीं किसी से हीन न होंगे,
क्षुद्र स्वार्थ की ख़ातिर हम तो कभी न गर्हित कर्म करेंगे ।
पुण्यभूमि यह भारतमाता, जग की हम तो भीख न लेंगे ।
मिसरी-मधु-मेवा-फल सारे, देती हमको सदा यही है,
कदली, चावल, अन्न विविध औ' क्षीर सुधामय लुटा रही है ।
आर्यभूमि उत्कर्षमयी यह, गूँजेगा यह गान हमारा ।
कौन करेगा समता इसकी, महिमामय यह देश हमारा ।।

(i) लोग निंदित कर्म क्यों करते हैं ?

(क) दूसरों को सताने के लिए

(ख) छोटे-छोटे स्वार्थों के लिए

(ग) दूसरों को पीछे छोड़ने के लिए

(घ) अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए

(ii) काम करते हुए लोग प्रायः डरते हैं

(क) शत्रुओं से

(ख) विघ्न-बाधाओं से

(ग) क्षुद्र स्वार्थों से

(घ) सहायता न मिलने से

(iii) कोई देश हमारे देश से समता नहीं कर सकता क्योंकि हमारा देश

(क) विशाल है

(ख) शक्तिशाली है

(ग) संपन्न है

(घ) महिमावान् है

(iv) 'जग की हम तो भीख न लेंगे' का क्या भाव है ?

(क) हम किसी से भीख नहीं माँगेंगे

(ख) हम बेसहारा हैं तो स्वाभिमानी भी हैं

(ग) सहायता के लिए विदेशियों के सामने हाथ नहीं फैलाएँगे

(घ) पराधीन रहकर भी हम स्वावलंबी बनेंगे

(v) कविता में भारत का विशेषण ***नहीं*** है

(क) महिमामय

(ख) गर्हित

(ग) उत्कर्षमय

(घ) पुण्यभूमि

खण्ड ख

5. (क) निम्नलिखित में रेखांकित पदबंधों के प्रकार लिखिए :

(i) तुमने एकाएक <u>इतना मधुर</u> गाना क्यों छोड़ दिया ? *1*

(ii) गाँव में हर वर्ष <u>पशु-पर्व का आयोजन</u> होता है । *1*

(ख) विग्रहपूर्वक समास का नाम लिखिए : *1*

विश्वसंगठन

(ग) समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : *1*

सुंदर हैं जो नयन

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए :

(i) मैदान में हज़ारों आदमियों की भीड़ होने लगी । *1*

(ii) आंदोलनकारी शहर में प्रदर्शन कर रहे थे । *1*

(iii) वे धीरे-धीरे सभास्थल की ओर बढ़ रहे थे । *1*

(ख) संधि-विच्छेद कीजिए : *1*

पुष्पोद्यान

7. (क) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×3=3*

(i) जब क्रांतिकारी ने झंडा गाड़ा तब पुलिस ने उसे पकड़ लिया ।
(वाक्य-भेद लिखिए)

(ii) आज झंडा फहराया जाएगा और प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(iii) जब वे प्रतियोगिता में भाग लेने गए तो बाहर रोक लिए गए ।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) संधि कीजिए : *1*

धन + आगम

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए :

(i) हमारा लक्ष्य देश की चहुँमुखी प्रगति होनी चाहिए । *1*

(ii) केवल यहाँ दो पुस्तकें रखी हैं । *1*

(iii) उसने आज घर में क्या करा ? *1*

(ख) संधि-विच्छेद कीजिए : *1*

अत्यधिक

9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : *1×4=4*

(i) हाथ फैलाना

(ii) राई का पर्वत करना

(iii) जाके पैर न फटी बिवाई सो क्या जाने पीर पराई

(iv) हाथ कंगन को आरसी क्या ?

खण्ड ग

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×2=6*

(क) जापान में मानसिक रोग के क्या कारण हैं ? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं ? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।

(ख) मुआवज़ा पाने के लिए ख्यूक्रिन ने क्या-क्या कारण दिए ? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ग) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में समुद्र के क्रोध का क्या कारण बताया गया है ? उसने अपना क्रोध कैसे शांत किया ? अपने शब्दों में लिखिए ।

11. प्रकृति में आए असंतुलन के कारण और उसके परिणामों की चर्चा, 'अब कहाँ दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर कीजिए । *5*

अथवा

वज़ीर अली को एक जाँबाज़ सिपाही क्यों कहा गया है ? उसके सैनिक जीवन के क्या लक्ष्य थे ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर विस्तार से लिखिए ।

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो ।

(i) 'राह कुर्बानियों की न वीरान हो' – का क्या तात्पर्य है ?

(क) सैनिक सोच-समझकर आगे बढ़ें

(ख) सैनिक देश के बारे में सोचते रहें

(ग) बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे

(घ) बलिदानी सैनिक आगे बढ़ने की सोच में रहें

(ii) सैनिक किसे सजाने के लिए कहते हैं ?

(क) देश की कुर्बानियों को

(ख) जश्न मनाने वालों को

(ग) भारतमाता को

(घ) बलिदानी सैनिकों के जत्थों को

(iii) 'फ़तह का जश्न' से तात्पर्य है

(क) आगे बढ़ने की ख़ुशियाँ

(ख) मृत्यु की ख़ुशी

(ग) जीते जाने की ख़ुशियाँ

(घ) जीत की ख़ुशियाँ

(iv) 'सिर पर कफ़न बाँधने' का किस ओर संकेत है ?

(क) सिर बचाने की ओर

(ख) देश पर बलिदान की ओर

(ग) सिर पर मुकुट बाँधने की ओर

(घ) जीवित रहने की ओर

(v) 'काफ़िले' शब्द का अर्थ है

(क) कायरों का गिरोह

(ख) वीरों का समुदाय

(ग) बलिदानियों का झुंड

(घ) यात्रियों का समूह

अथवा

सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझसे ज्वाला-कण
विश्व-शलभ सिर धुन कहता मैं
हाय ! न जल पाया तुझमें मिल,
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल!
जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेहहीन नित कितने दीपक;
जलमय सागर का उर जलता,
विद्युत् ले घिरता है बादल
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल!

(i) पतंगे को पश्चात्ताप है कि वह

(क) दिये का प्रकाश न पा सका

(ख) दीपक से एकाकार न हो सका

(ग) दीपक के स्नेह से वंचित रहा

(घ) ज्वाला-कण न बन सका

(ii) स्नेहहीन दीपक किन्हें कहा गया है ?

(क) टिमटिमाते तारों को

(ख) चमकते जुगनुओं को

(ग) तेलरहित दीपकों को

(घ) जगमगाते चाँद को

(iii) किस पंक्ति के कथन में विरोध दिखाई पड़ता है ?

(क) सारे शीतल कोमल नूतन

(ख) हाय ! न जल पाया तुझमें मिल

(ग) स्नेहहीन नित कितने दीपक

(घ) जलमय सागर का उर जलता

(iv) सागर का हृदय क्यों जलता है ?

(क) घिरते बादलों को देखकर

(ख) तारों को चमकता देखकर

(ग) बादलों में बिजली की कौंध देखकर

(घ) विहँसते दीपक को देखकर

(v) पद्यांश में बादलों की क्या विशेषता बताई गई है ?

(क) असंख्य तारे छिप जाते हैं

(ख) वह अनंत सीमा वाला है

(ग) गर्जन करता है पर बरसता नहीं

(घ) बिजली का प्रकाश लेकर घिरता है

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं । लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं । वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं । ख़ुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें यही महत्त्व की बात है । यह काम तो

हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है । समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों-जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है । व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है ।

(क) व्यवहारवादी लोगों के सजग रहने के क्या-क्या कारण हैं ? *2*

(ख) आदर्शवादी लोगों की समाज को क्या-क्या देन है ? *2*

(ग) समाज को पतन की ओर ले जाने वाले कौन लोग हैं ? उनका मुख्य उद्देश्य क्या रहता है ? *1*

अथवा

उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था । एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया । मेरी माँ ने देखा तो उसे दुख हुआ । उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की । लेकिन इस कोशिश में दूसरा अंडा उसी के हाथ से गिरकर टूट गया । कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे । उनकी आँखों में दुख देखकर मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए । इस गुनाह को ख़ुदा से मुआफ़ कराने के लिए उसने पूरे दिन रोज़ा रखा । दिन-भर कुछ खाया-पिया नहीं । सिर्फ़ रोती रही ।

(क) माँ के दुख का क्या कारण था और उसका दुख कैसे बढ़ गया ? *2*

(ख) माँ के गुनाह और उसके प्रायश्चित पर टिप्पणी कीजिए । *2*

(ग) माँ ने ख़ुदा से क्या दुआ माँगी ? *1*

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×3=9*

(क) गोपियों द्वारा श्री कृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य है ? 'दोहे' कविता के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता की पंक्ति 'तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में' का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री ने अपने दीपक से मोम की तरह घुलने के लिए क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए कि उस घुलने में उसका कौन-सा भाव छिपा है ।

(घ) 'मनुष्यता' कविता के आधार पर किन्हीं तीन मानवीय गुणों के बारे में लिखिए ।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर पीटी सर की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ख) टोपी ने मुन्नी बाबू के बारे में कौन-सा रहस्य छिपाकर रखा था और क्यों ? विस्तार से समझाइए ।

(ग) 'सपनों के-से दिन' पाठ में लेखक को स्कूल जाने का उत्साह नहीं होता था, क्यों ? फिर भी ऐसी कौन-सी बात थी जिस कारण उसे स्कूल जाना अच्छा लगने लगा ? कारण-सहित स्पष्ट कीजिए ।

16. आज की शिक्षा-व्यवस्था में विद्यार्थियों को अनुशासित बनाए रखने के लिए क्या तरीक़े निर्धारित हैं ? 'सपनों के-से दिन' पाठ में अपनाई गई विधियाँ आज के संदर्भ में कहाँ तक उचित लगती हैं ? जीवन-मूल्यों के आलोक में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए । *4*

खण्ड घ

17. विद्यालय में आयोजित सामाजिक विज्ञान-प्रदर्शनी का विवरण देते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को, इसकी उपयोगिता बताते हुए, प्रकाशनार्थ पत्र लिखिए । *5*

अथवा

जल-बोर्ड द्वारा दूषित जल की आपूर्ति के कारण जन-सामान्य को हो रही कठिनाइयों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए अध्यक्ष, जल-बोर्ड को एक पत्र लिखिए ।

18. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी ***एक*** विषय पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) संयुक्त परिवार

- संयुक्त परिवार का अर्थ
- संबंधों में पड़ती दरार
- जोड़ने से लाभ

(ख) परोपकार

- आवश्यकता
- लाभ
- जीवन में कितना संभव

(ग) जीव-जंतु और मानव

- सहज संबंध
- उपयोगिता
- सुझाव